# दलति ईसाई

## प्रीलम्सि के लयि:

दलति ईसाइयों की वैधानकि स्थति

## मेन्स के लयि:

दलति ईसाइयों पर पड़ने वाले सामाजकि-आर्थकि प्रभाव

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचति जातमिूल के ईसाइयों को अनुसूचति जातयिों के समान दयि जाने वाले लाभों को आवंटति करने के लयि एक याचकिा पर वचािर करने हेतु सहमतव्यिक्त की है। वदिति है कसिंवधिान (अनुसूचति जात) आदेश, 1950 का अनुच्छेद तीन अनुसूचति जातमिूल के ईसाइयों को अनुसूचति जातका दर्जा देने से प्रतबिंधति करता है।

## प्रमुख बदुि:

- **राष्ट्रीय दलति ईसाई परषिद (National Council of Dalit Christians-NCDC)** की सरकारी नौकरयिों तथा शकि्षण संस्थानों में **धार्मकि तटस्थता (ReligiousNeutral)** की मांग संबंधी याचकिा पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को एक नोटसि जारी कयिा है।
- राष्ट्रीय दलति ईसाई परषिद ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा क"िधर्म परविर्तन से भी सामाजकि बहषि्कार समाप्त नही होता है। जातपिदानुक्रम व्यवस्था ईसाई धर्म के भीतर भी असमानता को बनाए रखता है, भले ही ईसाई धर्म इसकी अनुमतनि देता हो"।
- याचकिाकर्त्ताओं ने अपील की है कसिंसद द्वारा पारति अनुसूचति जातऔिर अनुसूचति जनजात(अत्याचार नविारण) अधनियिम, 1989 तथा संशोधन अधनियिम, 2018 के तहत कानूनी उपाय/संरक्षण का लाभ, शकि्षा में वशिेष वशिेषाधकिार प्राप्त करने, छात्रवृत्त,ि रोज़गार के अवसर, कल्याणकारी उपाय, सकारात्मक कार्यवाई, पंचायत में आरक्षति नरि्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने का अधकिार प्राप्त करने के लयि अनुसूचति जातमिूल के ईसाइयों को अनुसूचति जातका दर्जा देने और उसे बढ़ाने की अनुमतदिी जाए।
- याचकिाकर्त्ताओं ने पीठ का ध्यान आकर्षति करते हुए बताया क**िहाथ से मैला ढोने (Manual Scavenging)** के कार्य में आज भी अनुसूचति जातमिूल के ईसाई संलग्न हैं ।
- याचकिाकर्त्ताओं के अनुसार, यह स्थतसिंवधिान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 21 और 25 का उल्लंघन करती है।

## कौन हैं दलति ईसाई?

- ब्रटिशि औपनवशिकि शासन के दौरान हदिू धर्म को मानने वाले अनुसूचति जातसिमुदाय के वे लोग जन्होंने ईसाई धर्म को अपना लयिा **दलति ईसाई** कहलाए।
- भारत में 24 मलियिन ईसाई आबादी में से, दलति ईसाइयों की संख्या लगभग 16 मलियिन है। इन दलति ईसाइयों में से अधकिांश आबादी दक्षणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमलिनाडु और तेलंगाना में नविास करती है।
- दलति ईसाइयों को आज भी चर्च, राज्य तथा समाज के द्वारा कयि जाने वाले भेदभावों का सामना करना पड़ता है।
- आधुनकि साहत्यि में अनुसूचति जातको '**दलति**' नाम से संबोधति कयिा जाने लगा। औपनवशिकि शासन के दौरान '**डप्रिेस्ड क्लास**' के लयि दलति शब्द का प्रयोग कयिा गया, जसि भारतीय संवधिान नरि्माता **बी.आर.आंबेडकर** द्वारा प्रसद्धि कयिा गया।

## स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dalit-christian